http://www.ukboardonline.com

रोल नं0 | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HBA)

2015
हिन्दी

समय : 3 घण्टे] **[पूर्णांक : 100**

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड **'अ'** तथा **'ब'** हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×5=10

एकाग्रता ही आत्मसाक्षात्कार की कुंजी है। एकाग्रता का उपाय यह है कि छात्र में मैत्री, करुणा, मुदिता और उपेक्षा का भाव उत्पन्न किया जाय और उसे निष्काम कर्म में प्रवृत्त किया जाय। दूसरे के सुख को देखकर सुखी होना मैत्री और दुःख देखकर दुःखी होना करुणा है। किसी को अच्छा काम करते देखकर प्रसन्न होना और उसका प्रोत्साहन करना मुदिता और दुष्कर्म का विरोध करते हुए अनिष्टकारी से शत्रुता न करना उपेक्षा है। ज्यों–ज्यों यह भाव जागते हैं; त्यों–त्यों ईर्ष्या–द्वेष की कमी होती है। निष्काम कर्म भी रागद्वेष को नष्ट करता है। ये बातें हँसी–खेल नहीं है; परन्तु चित्त को उधर फेरना तो होगा ही, सफलता चाहे बहुत धीरे ही प्राप्त हो। इस प्रकार का प्रयास भी मनुष्य को ऊपर उठाता है। निष्कामिता की कुंजी यह है कि अपना ख्याल कम और दूसरों का अधिक किया जाय। आरम्भ से ही परमार्थ–साधन, लोक–संग्रह और जीव–सेवा के भाव उत्पन्न किये जायें। जब कभी मनुष्य से थोड़ी देर के लिए सच्ची सेवा बन पड़ती है तो उसे बड़ा आनन्द मिलता है : भूखे को अन्न देते समय, जलते या डूबते को बचाते समय, रोगी की शुश्रूषा करते समय कुछ देर के लिए उसके साथ तन्मयता हो जाती है। 'मैं' 'पर' का भाव तिरोहित हो जाता है। उस समय अपने 'स्व' की एक झलक मिल जाती है। 'मैं' 'तू' के कृत्रिम भेदों के परे जो सत्यात्मक, शुद्ध स्वरूप है उसका साक्षात्कार हो जाता है। जो जितने ही बड़े क्षेत्र के साथ तन्मयता प्राप्त कर सकेगा, उसको आनन्द और स्वरूप दर्शन की उतनी ही उपलब्धि होगी।

चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने का एक बहुत बड़ा साधन कला है। काव्य, चित्र, संगीत आदि का जिस समय रस मिला करता है उस समय भी शरीर और इन्द्रियों के बन्धन ढीले पड़ गये होते हैं और चित्त आध्यात्मिक जगत में खिंच जाता है। यही बात प्रकृति के निरीक्षण से भी होती है। प्रकृति का उपयोग निकृष्ट कोटि के काव्य में कामोद्दीपन के लिए किया जाता है, परन्तु वह शान्त रस का भी उद्दीपन करता है। अध्यापक का कर्तव्य है कि छात्र में सौन्दर्य के प्रति प्रेम उत्पन्न करे। यह स्मरण रखना चाहिए कि सौन्दर्य प्रेम भी निष्काम होता है। जहाँ तक यह भाव रहता है कि मैं इसका अमुक प्रकार से प्रयोग करूँ, वहाँ तक उसके सौन्दर्य की अनुभूति नहीं होती। सौन्दर्य के प्रत्यक्ष का स्वरूप तो यह है कि द्रष्टा अपने को भूलकर तन्मय हो जाय।

आज सब अपने–अपने अधिकारों के लिए लड़ते हैं। इस झगड़े का अन्त नहीं हो सकता। यदि धर्म बुद्धि जगायी जाय और सब अपने–अपने कर्तव्यों में तत्पर हो जायें तो विवाद की जड़ ही कट जाय और सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जायें और लोग हमारे साथ कैसा व्यवहार करते हैं – इसकी ओर कम, और हम खुद औरों के साथ कैसा आचरण करें–इसकी ओर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

(क) 'एकाग्रता ही आत्मसाक्षात्कार की कुंजी है।' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'मुदिता' से आप क्या समझते हैं ?

(ग) चित्त को क्षुद्र वासनाओं से विरत करने के साधन क्या हैं ?

(घ) विवाद की जड़ काटने एवं सबको अपने उचित अधिकार स्वतः प्राप्त हो जायें, इसके लिए क्या करना चाहिए ?

(ङ) उपर्युक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी **एक** विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए : 10

(क) 'उत्तराखण्ड में प्राकृतिक आपदा' :

(i) उत्तराखण्ड का प्राकृतिक स्वरूप (ii) प्राकृतिक आपदा के कारण

(iii) प्राकृतिक आपदा की भयावहता (iv) आपदा से निपटने के उपाय

(ख) 'हमारी राष्ट्रीय एकता' :

(i) राष्ट्रीय एकता का अभिप्राय (ii) राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता

(iii) राष्ट्रीय एकता के मार्ग में बाधाएँ (iv) एकता बनाए रखने के उपाय

3. अपने क्षेत्र के प्रमुख समाचारपत्र के सम्पादक को अपने क्षेत्र में शुद्ध पेयजल आपूर्ति हेतु एक अनुरोध पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।) 5

अथवा

आपके विद्यालय में इस वर्ष गणतंत्र दिवस उल्लासपूर्वक मनाया गया। आप उत्तराखण्ड इण्टर कालेज के विद्यार्थी हैं। समारोह के कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए अपने भाई को एक पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है।)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – 1×2=2

(क) वह तरणताल में तैर रहा है। (ख) अनुराधा पत्र लिख रही है।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2=2

(ग) खरगोश तेज दौड़ता है। (रीतिवाचक क्रिया–विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए)

(घ) पाश्चात्य संस्कृति की अपेक्षा भारतीय संस्कृति श्रेष्ठ है। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×4=4

(क) वह पुस्तकालय गया और उसने अध्ययन किया। (सरल वाक्य में)

(ख) मोहन के द्वारा रामचरितमानस पढ़ी गई। (कर्तृवाच्य वाक्य में)

(ग) अभिषेक धारावाहिक नहीं देखता है। (कर्मवाच्य में)

(घ) अपनी–अपनी सामर्थ्य के अनुसार कार्य करना चाहिए। (आज्ञार्थक में बदलिए)

6. (क) निम्नांकित में कौन सा शब्द 'हरि' के अर्थ में प्रयुक्त नहीं होता – 1

(i) विष्णु (ii) शिव (iii) नारद (iv) बन्दर

(ख) 'अम्बुद' अथवा 'अम्बुधि' में से किसी **एक** शब्द के दो अर्थ बताइए। 1

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी **एक** काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2=6

(i) बिहसि लखनु बोले मृदु बानी। अहो मुनीसु महाभट मानी।।
पुनि पुनि मोहि देखाव कुठारु। चहत उड़ावन फूँकि पहारू।।
इहाँ कुम्हड़बतिया कोउ नाहीं। जे तरजनी देखि मरि जाहीं।।
देखि कुठारु सरासन बाना। मैं कछु कहा सहित अभिमाना।।
भृगुसुत समुझि जनेउ बिलोकी। जो कछु कहहु सहौं रिस रोकी।।
सुर महिसुर हरिजन अरु गाई। हमरे कुल इन्ह पर न सुराई।।
बधें पापु अपकीरति हारें। मारतहू पा परिअ तुम्हारें।।
कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।

(क) लक्ष्मण ने परशुराम को मृदु वाणी में क्या समझाया ?

(ख) लक्ष्मण ने अपनी कुल परम्परा के बारे में क्या बताया ?

(ग) 'कोटि कुलिस सम बचनु तुम्हारा। ब्यर्थ धरहु धनु बान कुठारा।।' में निहित अर्थ स्पष्ट कीजिए।

(ii) माँ ने कहा पानी में झाँककर
अपने चेहरे पर मत रीझना
आग रोटियाँ सेंकने के लिए है
जलने के लिए नहीं
वस्त्र और आभूषण शाब्दिक भ्रमों की तरह
बंधन हैं स्त्री जीवन के
माँ ने कहा लड़की होना
पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(क) माँ अपनी लड़की को क्या सीख दे रही है ?
(ख) 'लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना' का भाव स्पष्ट कीजिए।
(ग) उक्त कविता के कवि और कविता का शीर्षक बताइए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 3×2=6
(क) भ्रमर गीत से आप क्या समझते हैं तथा भ्रमर को किसका प्रतीक माना गया है ?
(ख) जयशंकर प्रसाद की 'आत्मकथ्य' कविता के आधार पर बताइए कि स्मृति को 'पाथेय' बनाने से कवि का क्या आशय है ?
(ग) 'उत्साह' कविता में बादल किन–किन अर्थों की ओर संकेत करता है ?

9. (क) 'यह दन्तुरित मुसकान' कविता का आपके हृदय पटल पर क्या प्रभाव पड़ा ? संक्षेप में लिखिए। 2
(ख) संगतकार जैसे व्यक्ति संगीत के अलावा किन–किन क्षेत्रों में दिखाई देते हैं ? 2

10. निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×2=4

(i) 'शिक्षा' बहुत व्यापक शब्द है। उसमें सीखने योग्य अनेक विषयों का समावेश हो सकता है। पढ़ना– लिखना भी उसी के अन्तर्गत है। इस देश की वर्तमान शिक्षा–प्रणाली अच्छी नहीं। इस कारण यदि कोई स्त्रियों को पढ़ाना अनर्थकारी समझे तो उसे उस प्रणाली का संशोधन करना या कराना चाहिए, खुद पढ़ने–लिखने को दोष न देना चाहिए। लड़कों ही की शिक्षा–प्रणाली कौन–सी बड़ी अच्छी है। प्रणाली बुरी होने के कारण क्या किसी ने यह राय दी है कि सारे स्कूल व कॉलिज बंद कर दिए जाएँ ? आप खुशी से लड़कियों और स्त्रियों की शिक्षा की प्रणाली का संशोधन कीजिए। उन्हें क्या पढ़ाना चाहिए, कितना पढ़ाना चाहिए, किस तरह की शिक्षा देना चाहिए और कहाँ पर देना चाहिए–घर में या स्कूल में– इन सब बातों पर बहस कीजिए, विचार कीजिए, जी में आवे सो कीजिए; पर परमेश्वर के लिए यह न कहिए कि स्वयं पढ़ने–लिखने में कोई दोष है –वह अनर्थकर है, वह अभिमान का उत्पादक है, वह गृह– सुख का नाश करने वाला है। ऐसा कहना सोलहों आने मिथ्या है।

(क) शिक्षा का अर्थ लेखक के अनुसार क्या है और उसके दायरे में क्या–क्या आता है ?
(ख) उक्त गद्यांश के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हमें स्त्री शिक्षा के बारे में किन बातों पर विचार करना चाहिए ?

(ii) सभ्यता है संस्कृति का परिणाम। हमारे खाने–पीने के तरीके, हमारे ओढ़ने पहनने के तरीके, हमारे गमना–गमन के साधन, हमारे परस्पर कट मरने के तरीके; सब हमारी सभ्यता हैं। मानव की जो योग्यता उससे आत्म–विनाश के साधनों का आविष्कार कराती है, हम उसे उसकी संस्कृति कहें या असंस्कृति ? और जिन साधनों के बल पर वह दिन–रात आत्म–विनाश में जुटा हुआ है, उन्हें हम उसकी सभ्यता समझें या असभ्यता ? संस्कृति का यदि कल्याण की भावना से नाता टूट जायेगा तो वह असंस्कृति होकर ही रहेगी और ऐसी संस्कृति का अवश्यंभावी परिणाम असभ्यता के अतिरिक्त दूसरा क्या होगा ?

(क) लेखक के अनुसार सभ्यता के दायरे में कौन–कौन सी मुख्य बातें आती हैं ?
(ख) संस्कृति और असंस्कृति में मूल अन्तर क्या है ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए :– 2×2=4
(क) सेनानी न होते हुए भी चश्मे वाले को लोग कैप्टन क्यों कहते थे ?
(ख) लेखक ने फ़ादर बुल्के को 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' क्यों कहा है ?
(ग) आग की खोज एक बहुत बड़ी खोज क्यों मानी जाती है ? इस खोज के पीछे रही प्रेरणा के मुख्य स्रोत क्या रहे होंगे ?

12. (क) 'एक कहानी यह भी' के माध्यम से लेखिका पाठकों को क्या संदेश देना चाहती है ? 2
(ख) बालगोबिन भगत की दिनचर्या लोगों के अचरज का कारण क्यों थी ? 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : 2×3=6
(क) 'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइये कि बच्चे माता–पिता के प्रति अपने प्रेम को कैसे अभिव्यक्त करते हैं ?
(ख) 'जॉर्ज पंचम की नाक' कहानी के आधार पर तत्कालीन सरकारी तंत्र की मानसिकता का वर्णन कीजिए।
(ग) गंतोक को 'मेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।
(घ) हिरोशिमा की घटना को विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग क्यों कहा गया है ? पठित पाठ के आधार पर समझाइए।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्णवाक्य में दीजिए।)

सत्सङ्गेन मानवजीवने परिवर्तनम् आगच्छति। सतां सङ्गेन गुणानां वर्धनं, दुर्जनसङ्गेन दोषाणां वर्धनं च भवति। अतएव उक्तम् "संसर्गजा दोषगुणाः भवन्ति"। यथा–नारदस्य सङ्गेन रत्नाकरनामकः लुण्ठकः महान् आदिकविः वाल्मीकिः सञ्जातः। रामकृष्णपरमहंसस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीयसंस्कृतेः डिण्डिमघोषं सम्पूर्णे विश्वे कृतवान्।

(क) दुर्जन सङ्गेन किं भवति ? (ख) मानव जीवने परिवर्तनं कथम् आगच्छति ?
(ग) वाल्मीकिः कथं आदिकविः सञ्जातः ? (घ) कस्य सङ्गतिम् अवाप्य स्वामी विवेकानन्दः भारतीय संस्कृते डिण्डिमघोषं कृतवान ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा **द्वौ** प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2=4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

नीरक्षीरविवेके हंसालस्यं त्वमेव तनुषे चेत्।
विश्वस्मिन्नधुनान्यः कुलव्रतं पालयिष्यति कः।।

(क) नीरक्षीरविवेकी कः भवति ? (ख) अन्यः किं न पालयिष्यति ? (ग) कुलव्रतं पालयिष्यति कः ?

16. पठित पाठाधारितान् **त्रीन्** प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3=6

(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए।)

(क) जनाः सुवर्णं कयातोलयन्ति ? (ख) भूमौ के दुर्लभाः ?
(ग) विश्वस्य अत्युन्नतं शिखरं किम् ? (घ) सुदक्षिणा कस्य माता अस्ति ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं **चत्वारि** रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4=4

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं **चार** वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)

शब्द सूची – उत्तराखण्डस्य, पठामि, निर्मलं, प्रवहति, चन्द्रगुप्तस्य, सत्सङ्गति

(क) गङ्गा हिमालयात् .....। (ख) सज्जनानां सङ्गतिः ..... भवति।
(ग) चाणक्यः .....मंत्री आसीत्। (घ) येषां हृदयं ..... भवति।
(ङ) अहं संस्कृतम् .....। (च) हरिद्वारं .....पावनं नगरम् अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं **त्रीन्** प्रश्नान् उत्तरत – 2×3=6

(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं **तीन** प्रश्नों का उत्तर दीजिए।)

(क) सन्धिं कुरुत। (सन्धि कीजिए।) – यदि + अपि , सूर्य + उदयः
(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत। (सन्धि विच्छेद कीजिए।) – स्वागतम् , पवनः
(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत। (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) – राजपुत्रः , रामलक्ष्मणौ
(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथककृत्वा लिखत। (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए।)– परोपकार , अनभिज्ञ
(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत।
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।)
(i) .....पत्राणि पतन्ति। (वृक्षेण / वृक्षात्)
(ii) .....परितः पुष्पाणि सन्ति। (विद्यालयस्य / विद्यालयम्)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण **चतुर्णाम्** वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4=4

(निम्न शब्दों में से किन्हीं **चार** का वाक्यों में प्रयोग कीजिए।)

(क) गच्छसि (ख) जिघ्रन्ति (ग) बालकाय (घ) ते (ङ) वयम् (च) अत्र

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः **द्वयोः** संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2=4

(निम्न वाक्यों में से किन्हीं **दो** का संस्कृत में अनुवाद कीजिए।)

(क) हिन्दी हमारी राष्ट्र भाषा है। (ख) हम दोनों विद्यालय गये। (ग) वह रामचरितमानस पढ़ती है।

.....

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com
http://www.ukboardonline.com